हनुमान् चालीसा

श्री गुरु चरण सरोज रज / निज मन मुकुर सुधारि //
वरणौ रघु वर विमल यश / जो दायक फलचारि //
बुद्धिहीन तनु जानिकै / सुमिरौ पवनकुमार् //
बलबुधि विद्या देहु मोहि / हरहु कलेश विकार् //

जय हनुमान ज्ञान गुण सागर / जय कपीश तिहु लोक उजागर // १ //
रामदूत अतुलित बलधामा / अंजनि पुत्र पवन सुत नामा // २ //
महावीर विक्रम बजरंगी / कुमति निवार सुमति के संगी // ३ //
कंचन वरण विराज सुवेशा / कानन कुंडल कुंचित केशा // ४ //
हाथ वज्र अरु ध्वजा विराजै / कांथे मूंज जनेवू छाजै // ५ //
शंकर सुवन केसरि नंदन / तेज प्रताप महा जग वंदन // ६//
विद्यावान गुणी अति चातुर / राम काज करिवेको आतुर // ७ //
प्रभुचरित्र सुनिवेको रसिया / राम लखन सीता मन बसिया // ८ //
सूक्ष्मरूप धरि सियहि दिखावा / विकटरूप धरि लंक जरावा // ९ //
भीमरूप धरि असुर संहारे / रामचंद्र के काज सवारे // १० //
लाय संजीवन लखन जियाये / श्री रघुवीर हरषि उर लाये // ११ //
रघुपति कीन्ही बहुत बडायी / कहा भरत सम तुम प्रिय भायी // १२ //
सहस वदन तुम्हरो यश गावै / अस कहि श्रीपति कंठ लगावै // १३ //
सनकादिक ब्रह्मादि मुनीशा / नारद शारद सहित अहीशा // १४ //
यम कुबेर दिक्पाल जहा ते / कवि कोविद कहि सकै कहा ते // १५ //
तुम उपकार सुग्रीव हि कीन्हा / राम मिलाय राजपद दीन्हा // १६ //
तुम्हरो मंत्र विभीषण माना / लंकेश्वर भये सब जग जाना // १७ //
युग सहस्र योजन पर भानू // लील्यो ताहि मधुर फल जानू // १८ //
प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माही / जलधि लांघि गये अचरज नाही // १९ //
दुर्गम काज जगत के जेते / सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते // २० //
राम दुवारे तुम रखवारे / होतन आज्ञा बिनु पै सारे // २१ //
सब सुख लहै तुम्हारी शरना / तुम रक्षक काहू को डरना // २२ //
आपन तेज सम्हारो आपै / तीनों लोक हांकते कांपै // २३ //
भूत पिशाच निकट नहि आवै / महावीर जब नाम सुनावै // २४ //
नासै रोग हरै सब पीरा / जपत निरंतर हनुमत वीरा // २५ //
संकट से हनुमान छुडावै / मन क्रम वचन ध्यान जो लावै // २६ //
सब पर राम तपस्वी राजा / तिनके काज सकल तुम साजा // २७ //
और मनोरथ जो कॊयि लावै / तासु अमित जीवन फल पावै // २८ //
चारों युग प्रताप तुम्हारा / है प्रसिद्धि जगत उजियारा // २९ //
साधु संत के तुम रखवारे / असुर निकंदन राम दुलारे // ३० //

अष्टसिद्धि नव निधि के दाता / अस वर दीन जानकी माता // ३१ //
राम रसायन तुम्हरे पासा / सादर तुम रघुपति के दासा // ३२ //
तुम्हरे भजन राम को पावै / जन्म जन्म के दुःख बिसरावै // ३३ //
अंतकाल रघुपति पुर जायी / जहा जन्मि हरि भक्त कहायी // ३४ //
और देवता चित्त न धरयी / हनुमत सेयि सर्व सुख करयी // ३५ //
संकट कटै मिटै सब पीरा / जो सुमिरै हनुमत बल वीरा // ३६ //
जै जै जै हनुमान गोसायी / कृपा करो गुरुदेव कि नायी // ३७ //
यह शत बार पाठकर जोयी / छूटहि बंदि महासुख होयी // ३८ //
जो यह पढै हनुमान चालीसा / होय सिद्धि साखी गौरीसा // ३९ //
तुलसीदास सदा हरिचेरा / कीजै नाथ हृदय मह डेरा // ४० //

पवन तनय संकट हरन /
मंगल मूरति रूप //
रामलखन सीता सहित /
हृदय बसहु सुर भूप //